

भारतीय जनपद फर्रुखाबाद के नगरों का वर्तमान स्वरूप

डॉ.नीतू सिंह तोमर, एम.ए., पी-एच.डी. (समाजशास्त्र),
पोस्ट डॉक्टरल फेलो,
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली-110002

सारांश

यद्यपि नगरों का अधिपत्य प्राचीन काल से मिलता है, किन्तु अभी हाल तक वे जनसंख्या के अपेक्षाकृत एक छोटे से भाग का ही प्रतिनिधित्व करते थे। अधिकांश व्यक्तियों का जीवन प्रमुख रूप से ग्रामीण समाज या गाँव ही बनाते थे। नगरों और महानगरों की महाकाय वृद्धि विकास और जनसंख्या के बड़े भाग नगरीय क्षेत्रों में जाना पिछले 5 दशकों का ही विशेष लक्षण रहा है। नगरीकरण औद्योगिक क्रांति का परिणाम था। इसने केन्द्रित स्थानों पर श्रमिकों की बड़ी संख्या की माँग को उत्पन्न किया।

भारत में पिछले कुछ दशकों से जनसंख्या में वृद्धि के साथ-साथ, जनसंख्या का ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में स्थानान्तरण भी हुआ है। बढ़ते हुए नगरीकरण से अपराध और बाल-अपराध, मदिरापान और मादक वस्तुओं का सेवन, आवास की कमी, भीड़-भाड़ और गन्दी बस्तियाँ, बेरोजगारी, निर्धनता, प्रदूषण और शोर, संचार और यातायात नियंत्रण, वैश्यावृत्ति, कालगर्ल, तस्करी, मिलावट जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। परन्तु यदि नगर तनाव और दबाव के स्थान हैं, तो वे सभ्यता और संस्कृति विकास एवं प्रगति के केंद्र भी हैं। वे सक्रिय, प्रवर्तितीय और सजीव हैं। वे व्यक्ति को अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। यदि भारत का भविष्य ग्रामीण क्षेत्रों के विकास से जुड़ा है तो इतना ही वह नगरों और महानगरों के क्षेत्रों के विकास से जुड़ा है।

जनगणना-2011 के अनुसार, भारतीय जनपद फर्रुखाबाद की कुल जनसंख्या 1887577 में से 416185 शहरी जनसंख्या है। जनपद में 6 नगर-फतेहगढ़-फर्रुखाबाद, कमालगंज, कायमगंज, शमशाबाद, मोहम्मदाबाद, कम्पिल हैं। दूर-दराज के गाँवों के संग्रह से बना नगर मोहम्मदाबाद आदि व्यक्ति विशेष के राजनीतिक लाभ तक सीमित बने हैं। मानक विहीन नगर व्यवस्था एवं निकाय चुनावों में चक्रीय क्रम की उपेक्षा नगर विकास को प्रभावित कर रही है।

दिनांक 24-07-2017

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)

एम.ए., पी-एच.डी., समाजशास्त्र
पोस्ट डॉक्टरल फेलो (असिस्टेंट प्रोफेसर केंद्र)
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली-110002